“फैशन एक अभिव्यक्ति है”

फ़ैशन एक अभिव्यक्ति है, नए-नए डिजाईनों की उत्पत्ति है
पंरपराओं के परिवेश में नए रुझानो की स्वीकृति है।

आदि से अंत तक फ़ैशन रहा है,
भले ही स्वरूप बदलता रहा है,
फ़ैशन एक जीवन शैली है,
जैसे कोई दुल्हन नई नवेली है
फ़ैशन एक खूबसूरत फूल है,
इससे बच पाना एक भूल है

जैसे फूल हर किसी को भाता है ,
फ़ैशन का रंग भी हरेक पर असर दिखाता है
फ़ैशन सुंदरता का पर्याय है,
आधुनिक युग में एक व्यवसाय है.
फ़ैशन सही मायने में कलाओं का संगम है,
इसके बदलते रहते अंदाज़ हरदम है,

घर, आंगन, दफ्तर, रसोई,
इसके प्रभाव से बचा नहीं कोई,
साज़ो- सामान, फर्नीचर या परिधान,
डिजाईनरों का सभी में है ध्यान,
फ़ैशन मन की अवधारणा है,
इसकी सफलता डिजाईनरों की साधना है,

फ़ैशन एक रीवाज़ है, फूल, सुगंध,
रस, नृत्य, लय ताल की आवाज़ है
इसमें परिवर्तन, सृजन, श्रृंगार, निखार,
इकरार, इंकार का नाज़ है
यौवन की मादकता व भावुकता ही
इन उद्योगों की सफलता का राज़ है

माना कि फ़ैशन मंहगा था, अमीरों का था,
पर अब सबका है, अब न ये वर्ग विशेष का है
और न ही सिर्फ नारी का है,
हर क्षेत्र में पकड़ है इसकी,
अब ये दुनिया सारी का है।
यह युवाओं में आधुनिकता का प्रतीक है,
जीवन की सुखद अनुभूति की आशा का दीप है,

फ़ैशन का मूल मंत्र सजना व संवारना है,
कमियों को दूर कर खूबसूरती उभारना है
इसमें आभूषणों की सृजनता,
कारीगरों की निपुणता,
डिजाईनरों की कुशलता,
मॉडलों की व्यवहारिकताहै,
फ़ैशन सौंदर्य की एक कविता है,
प्रसाधनों के मापदंड़ों की सरिता है
फ़ैशन का मतलब संपूर्ण सौंदर्य है,
अर्थात् नख से शिख तक श्रृंगार है
प्रत्येक अंग में आकर्षण और
उपसाधनों से छाया निखार है
फ़ैशन एक साहस है, बंधनों से राहत है,
आधुनिक युग में युवाओं की चाहत है

हे भारत के डिजाईनरों, कारीगरों व उपभोक्ताओं,
फ़ैशन का नाम विधाओं की सर्वोत्तमता का प्रतिरूप हो
भारतीयता की पहचान लिए हो, संस्कृति के अनुरूप हो
इसका सजीला रंग-रूप न विकृत होने पाए कभी
भारत के जनमानस की पहुंच से बाहर न जाने पाए कभी
ध्यान रहे कि फ़ैशन भारतीय उद्योगों को संप्रन बनाए सदा
देश के ग्राहकों व डिजाईनरों को लाभ पहुंचाए सदा।

-- सुशील कुमार,
निफ्ट मुख्यालय, नई दिल्ली